बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का द्वितीय चरण का सफल परीक्षण

स्रोत : द हिंदू

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने अपने **चरण-II बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) प्रणाली** का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जो **लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खतरों** से बचाव में भारत की उन्नत क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

- चरण-II प्रणाली **5,000 किलोमीटर तक की दूरी तक** की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक सकती है, जिससे भारत की सामरिक सुरक्षा मज़बूत होगी।
  - **2,000 किलोमीटर** तक की दूरी तक की मिसाइलों को रोकने में सक्षम चरण-I की BMD पहले ही तैनात की जा चुकी है।
- चरण-II मिसाइल एक दो-चरणीय ठोस प्रणोदन वाली ज़मीन से प्रक्षेपित की जाने वाली प्रणाली है, जिसे अंतः से लेकर निम्न बाह्य-वायुमंडलीय अवरोधन हेतु डिज़ाइन किया गया है।
  - परीक्षण में लंबी दूरी के सेंसर, कम विलंबता संचार और उन्नत इंटरसेप्टर मिसाइलों सहित नेटवर्क-केंद्रित युद्ध हथियार प्रणाली का प्रदर्शन किया गया।
- कारगिल युद्ध के बाद वर्ष 2000 में शुरू किये गए **भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (BMD) कार्यक्रम** का उद्देश्य भारत को विशेष रूप से पाकिस्तान और चीन से आने वाले मिसाइल खतरों से बचाना है।
  - यह पृथ्वी एयर डिफेंस और **एडवांस्ड एयर डिफेंस** जैसी इंटरसेप्टर मिसाइलों के साथ बहुस्तरीय दृष्टिकोण अपनाता है। हाल के प्रयासों में वैश्विक सहयोग के माध्यम से क्षमताओं को बढ़ाने और रूसी S-400 ट्रायम्फ जैसी प्रणालियों को हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
  - DRDO चरण 1 और 2 में क्रमशः 2000 किमी और 5000 किमी तक की रेंज वाली मिसाइलों का मुकाबला करने के लिये एक स्वदेशी बहु-स्तरीय नेटवर्क विकसित कर रहा है।
    - इस नेटवर्क में आने वाली मिसाइलों का पता लगाने और उन पर नज़र रखने के लिये निगरानी रडार भी शामिल हैं।
- भारत की बैलिस्टिक मिसाइलें **अग्नि, K-4 (SLBM), प्रहार, धनुष, पृथ्वी और त्रिशूल हैं।**

और पढ़ें: शौर्य मिसाइल

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/successful-phase-ii-ballistic-missile-defence-system-test